संख्या– 60 /XXIV-C-2/2020–39(2)19

प्रेषक,

आनन्द बर्द्धन,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
उच्च शिक्षा उत्तराखण्ड,
हल्द्वानी (नैनीताल)।

उच्च शिक्षा अनुभाग–2 देहरादून दिनांक 10 जनवरी, 2020

विषयः उच्च शिक्षा विभागान्तर्गत उत्कृष्ट शिक्षकों को भक्त दर्शन उच्च शिक्षा गौरव पुरस्कार प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक डिग्री सेवा/विविध/6357/2019–20, दिनांक 25.10.2019 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उच्च शिक्षा विभागान्तर्गत 05 ऐसे उत्कृष्ट शिक्षक जिन्होंने शिक्षण, अनुसंधान/वैज्ञानिक कार्य एवं नवोन्मेषी तकनीकों से उच्च शिक्षा का प्रसार करते हुये शिक्षण कार्यों में आ रही समस्याओं के निराकरण के अभिनव प्रयास किये हों, को भक्त दर्शन उच्च शिक्षा गौरव पुरस्कार प्रदान करते हुये रू0 50,000/– (रूपये पचास हजार मात्र) की धनराशि पुरस्कार स्वरूप प्रदान किये जाने की निम्नलिखित शर्तों के अधीन श्री राज्यपाल सहर्ष अनुमति प्रदान करते हैं।

(1) पुरस्कार हेतु निर्धारित विषय क्षेत्रः–

(1) विज्ञान – विशुद्ध एवं व्यावहारिक विज्ञान के विभिन्न विषय।
(2) सामाजिक विज्ञान – कला एवं मानविकी के विभिन्न विषय।
(3) वाणिज्य, प्रबन्धन एवं विधि के विभिन्न विषय।
(4) साहित्य, भाषा एवं संस्कृति के विभिन्न विषय।
(5) अभियांत्रिकी एवं चिकित्सा शिक्षा के विभिन्न विषय।

(2) पात्रता एवं शर्तेंः–

उत्तराखण्ड राज्य में अवस्थित उच्च शिक्षण संस्थाओं में कार्यरत ऐसे शिक्षक, जो निम्नलिखित अर्हताएं पूर्ण करते हों, आवेदन के पात्र होंगेः–

1– उच्च शिक्षण संस्थाओं में नियमित शिक्षक की प्रास्थिति धारित करते हों।
2– न्यूनतम 10 वर्ष का शिक्षण अनुभव हो।
3– यह पांच पुरस्कार पांच विषय क्षेत्रों यथा (1) विज्ञान (2) सामाजिक विज्ञान (3) वाणिज्य, प्रबन्धन एवं विधि (4) साहित्य, भाषा एवं संस्कृति एवं (5) अभियांत्रिकी एवं चिकित्सा शिक्षा हेतु प्रदत्त किये जायेंगे।
4– यह पुरस्कार सम्बन्धित शिक्षक के जीवनकाल में केवल एक बार प्रदान किया जायेगा।
5– यह पुरस्कार वैयक्तिक होगा तथा संस्थायें व संगठन इस पुरस्कार के पात्र नहीं होंगे।
6– यह पुरस्कार एवं सम्मान ऐसे उत्कृष्ट शिक्षकों, जिन्होंने उच्च शिक्षा के अन्तर्गत शिक्षण, अनुसंधान/वैज्ञानिक कार्य एवं नवोन्मेष तकनीकों से मानव ज्ञान को समृद्ध करने व समस्याओं के निराकरण के लिए अभिनव योगदान किया हो, को प्रदान किये जायेंगे।

क्रमशः..........2/-

7– पुरस्कार के लिए निर्णय हेतु सम्बन्धित शिक्षक द्वारा विगत पांच वर्षों में किये गये योगदान पर विशेष ध्यान दिया जायेगा।

8– पुरस्कार हेतु गठित जांच/मूल्यांकन समिति, विषय विशेषज्ञों की समितियों तथा उच्च स्तरीय समिति के सदस्य इस पुरस्कार के लिए नामांकन नहीं कर सकेंगे।

9– पुरस्कार पाने वाले व्यक्ति के सम्बन्ध में भविष्य में यदि गलत तथ्य/विवरण/प्रमाणों के आधार पर पुरस्कार पाने का प्रकरण उद्घाटित होता है तो उच्च शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड शासन को प्रदत पुरस्कार को निरस्त करने का पूर्ण अधिकार होगा व सम्बन्धित आवेदक पर विधिक कर्यवाही का अधिकार सुरक्षित रहेगा।

(3) आवेदन करने की प्रक्रियाः–

1– पुरस्कार हेतु नामांकन निर्धारित प्रारूप पर समस्त वांछित अभिलेखों/साक्ष्यों सहित किया जायेगा। आवेदन पत्र अनिवार्यतः सम्बन्धित संस्था के संस्थाध्यक्ष/संकायाध्यक्ष/कुलपति द्वारा अग्रसारित हो।

2– अपूर्ण आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

3– नामांकन प्रारूप के साथ निम्नलिखित से सम्बन्धित विवरण/सूचना/अभिलेख/प्रमाण अनिवार्य रूप से संलग्न किये जाने चाहिएः–

(i) शिक्षण में विशिष्ट एवं उत्कृष्ट मॉडल का अनुप्रयोग।

(ii) विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता के सतत्, सम्पोषणीय विकास हेतु अभिप्रेरण, संवर्द्धन एवं प्रोत्साहन की योग्यता।

(iii) नवोन्मेषी शिक्षण पद्धतियों का समावेशीय अनुप्रयोग।

(iv) विद्वतापूर्ण, व्यावसायिक योगदान का प्रदर्शन तथा पठन–पाठन में समावेश।

(v) पाठ्यक्रम के विकास में विशेषज्ञतापूर्ण योगदान। शैक्षणिक गतिविधियों का कुशलता पूर्वक संचालन/आयोजन। सामाजिक कल्याण की गतिविधियों में विद्यार्थियों की भागीदारी ।

(vi) शिक्षणेत्तर गतिविधियों एवं सामाजिक कल्याण की योजनाओं में शिक्षक का संस्थागत योगदान।

(vii) शोध सम्बन्धी उपलब्धियों से सम्बन्धित प्रमाण यथाः– साईटेशन इंडेक्श, एच इंडेक्श सहित विभिन्न रेटिंग एजेन्सीज के वैब पते, इम्पेक्ट फैक्टर जर्नल्स में प्रकाशित शोध पत्रों का विवरण।

(xiii) पीएच0डी0/शोध उपाधि के लिए निर्देशित शोध छात्रों की संख्या तथा पीएच0डी0/एम0फिल0/स्नातकोत्तर लघु शोध हेतु सह निर्देशन सम्बन्धी विवरण।

(ix) प्रधान शोधकर्ता के रूप में सरकार एवं अन्य वाह्य अभिकरणों से शोध परियोजनाओं हेतु प्राप्त वित्तीय सहायता/अनुदान सम्बन्धी विवरण।

(x) विभिन्न शैक्षिक/व्यावसायिक संस्थाओं में सदस्यता एवं परामर्शी सेवाएं एवं सरकार तथा राष्ट्रीय शैक्षिक संगठनों से प्राप्त पुरस्कार/सम्मान का विवरण।

क्रमशः..........3/–

(4) पुरस्कार हेतु निर्धारित मापदण्ड/कसौटी :–

क्रमांक	मापदण्ड	भारित अनुपात
1	संस्था में एवं संस्था से बाहरी जगत में शिक्षक के उल्लेखनीय शैक्षणिक योगदान/परिणाम से सम्बन्धित	10 प्रतिशत
2	नैतिक मूल्यों को समाहित करते हुए विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता के सतत्, सम्पोषणीय विकास हेतु अभिप्रेरण, संवर्द्धन एवं प्रोत्साहन की योग्यता	10 प्रतिशत
3	नवोन्मेषी और आधुनिक शिक्षण पद्धतियों का समावेशीय अनुप्रयोग	10 प्रतिशत
4	विद्वतापूर्ण, व्यावसायिक योगदान का प्रदर्शन तथा पठन–पाठन में समावेश जिससे विद्यार्थियों में स्वःचिन्तन, चुनौतियों के विश्लेषणात्मक समाधान की क्षमता का विकास हुआ हो	10 प्रतिशत
5	शिक्षा की गुणवत्ता के लिये पाठ्यक्रम निर्माण/विकास में रिसोर्स पर्सन के रूप में योगदान	5 प्रतिशत
6	शिक्षण संस्था, समुदाय अथवा देश के सामाजिक विकास में छात्रों के योगदान को प्रेरित करना	5 प्रतिशत
7	महाविद्यालय/विश्वविद्यालय, प्रशासन में प्रवेश, परीक्षा, अनुशासन समिति आदि में प्रभावशाली योगदान	5 प्रतिशत
8	संस्था में विज्ञान मेला, शैक्षणिक भ्रमण, बौद्धिक और सांस्कृतिक गतिविधियों, क्रीडा, सेमिनार आदि का आयोजन	10 प्रतिशत
9	राष्ट्रीय शैक्षणिक संगठनों/प्रतिष्ठानों द्वारा मान्यता/सम्मान	10 प्रतिशत
10	विगत पांच वर्षों में छात्रों को नैट/गेट/कैट/जी–मैट/एस0एस0सी0 एवं प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रवेश के लिए मार्गदर्शन	10 प्रतिशत
11	शोध सम्बन्धी उपलब्धियाँ– इम्पेक्ट फैक्टर जर्नल्स में प्रकाशित शोधपत्रों, पेटेंट तथा तकनीकि हस्तान्तरण में योगदान	15 प्रतिशत

(5) आवेदन पत्रों की जांच एवं मूल्यांकन :–

प्राप्त आवेदन पत्रों का प्रारम्भिक मूल्यांकन उच्च शिक्षा निदेशालय स्तर पर गठित विषय विशेषज्ञों की समितियों द्वारा किया जायेगा। उक्त विषय विशेषज्ञ समिति का गठन निदेशक, उच्च शिक्षा द्वारा किया जायेगा। पुरस्कार हेतु आवेदनकर्ता का मूल्यांकन/चयन उपरोक्त तालिका में दिये गये भारित अनुपात में 100 प्वाइंट स्केल के आधार पर किया जायेगा। विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा प्रस्ताव उच्च स्तरीय समिति को प्रस्तुत किया जायेगा। उच्च स्तरीय समिति में निम्नलिखित सदस्य होंगेः–

(1)	कुलपति, दून विश्वविद्यालय, देहरादून	सदस्य
(2)	कुलपति, श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय, बादशाहीथौल, टिहरी	सदस्य
(3)	कुलपति, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल	सदस्य
(4)	निदेशक, उच्च शिक्षा निदेशालय, हल्दानी (नैनीताल)	सदस्य–सचिव

उपरोक्त समिति में वरिष्ठतम कुलपति अध्यक्ष होंगे तथा उच्च स्तरीय समिति द्वारा भक्त दर्शन गौरव पुरस्कार प्रदान किये जाने हेतु प्रत्येक विषय क्षेत्र में अधिकतम अंक पाने वाले एक–एक शिक्षक (कुल 05) की प्रबल संस्तुति उल्लिखित समिति द्वारा शासन को प्रेषित की जायेगी।

क्रमशः..........4/–

6– यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 168(म0)XXVII(3)/2020 दिनांक 08/01/2020 में प्राप्त सहमति के क्रम में जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(आनन्द बर्द्धन)
प्रमुख सचिव।

संख्या– (1)/ XXIV-C-2/2020–39(2)19 तददिनांकित।

प्रतिलिपि :–निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :–

1–महालेखाकार उत्तराखण्ड, देहरादून।
2–सचिव, श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड।
3–सचिव, मा0 मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
4–निजी सचिव, मा0 उच्च शिक्षा मंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
5–आयुक्त, गढवाल/कुमाऊँ मण्डल, पौड़ी/नैनीताल।
6–समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
7–समस्त कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
8–समस्त राज्य विश्वविद्यालय/उच्च शिक्षण संस्थान, उत्तराखण्ड द्वारा निदेशक, उच्च शिक्षा।
9–निदेशक, एन0आई0सी0, उत्तराखण्ड।
10–निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड।
11–बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन सचिवालय, देहरादून।
12–वित्त अनु0–3/नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
13–गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(एम0एम0 सेमवाल)
संयुक्त सचिव।

प्रारूप

भक्त दर्शन उच्च शिक्षा गौरव पुरस्कार उत्तराखण्ड

आवेदन पत्र

विषय क्षेत्र जिसके अन्तर्गत आवेदन किया जा रहा है:

कमांक	विषय क्षेत्र	कृपया चिन्हित करें
1.	विज्ञान – विशुद्ध एवं व्यावहारिक विज्ञान के विभिन्न विषय	
2.	सामाजिक विज्ञान– कला एवं मानविकी के विभिन्न विषय	
3.	वाणिज्य, प्रबन्धन एवं विधि के विभिन्न विषय	
4.	साहित्य, भाषा एवं संस्कृति के विभिन्न विषय	
5.	अभियांत्रिकी एवं चिकित्सा शिक्षा के विभिन्न विषय	

1	पूरा नाम (हिन्दी में)	
2	नाम अंग्रेजी के बड़े अक्षरों में	
2	पदनाम	
3	जन्म तिथि	
4	संस्था/विभाग जहॉ वर्तमान में कार्यरत हैं	
5	पत्र व्यवहार का पूर्ण पता, दूरभाष, मो0नं0 सहित	
6	ई–मेल आई0डी0	
7	संकाय/विषय जिसमें कार्य/योगदान कर रहे हैं	
8	सेवा में प्रथम नियमित नियुक्ति की तिथि एवं अद्यतन सेवा का कुल अनुभव (वर्षों व माह में)	

9 शैक्षणिक योग्यता सम्बन्धी विवरणः–

क0 संख्या	उपाधि	वर्ष	बोर्ड / विश्वविद्यालय	प्रतिशत
	स्नातक			
	परास्नातक			
	एम0फिल0			
	पीएच0डी0			
	अन्य			

10 अल्पावधिक प्रमाणपत्र कार्यक्रम

कमांक	प्रमाण पत्र / कार्यक्रम	अवधि	संस्था का नाम

11. सेवा अनुभव

कमांक	संस्था का नाम	पद नाम	कब से	कब तक

11. निर्धारित मापदण्डों/कसौटियों से सम्बन्धित विवरणः

कृपया निम्नलिखित मापदण्डों/कसौटियों के सम्बन्ध में स्पष्ट विवरण/सूचना/अभिलेख/प्रमाण संलग्न करें

11.1 संस्था में एवं संस्था से बाहरी जगत में शिक्षक के उल्लेखनीय शैक्षणिक योगदान/परिणाम से सम्बन्धित विवरण

11.2 नैतिक मूल्यों को समाहित करते हुए विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता के सतत्, सम्पोषणीय विकास हेतु अभिप्रेरण, संवर्द्धन एवं प्रोत्साहन की योग्यता

11.3 नवोन्मेषी और आधुनिक शिक्षण पद्धतियों का समावेशीय अनुप्रयोग

11.4 विद्वतापूर्ण, व्यावसायिक योगदान का प्रदर्शन तथा पठन–पाठन में समावेश जिससे विद्यार्थियों में स्वःचिन्तन, चुनौतियों के विश्लेषणात्मक समाधान की क्षमता का विकास हुआ हो

11.5 शिक्षा की गुणवत्ता के लिये पाठ्यक्रम निर्माण/विकास में रिसोर्स पर्सन के रूप में योगदान।

11.6 शिक्षण संस्था, समुदाय अथवा देश के सामाजिक विकास में छात्रों के योगदान को प्रेरित करना

11.7 महाविद्यालय/विश्वविद्यालय, प्रशासन में प्रवेश, परीक्षा, अनुशासन समिति आदि में प्रभावशाली योगदान

11.8 संस्था में विज्ञान मेला, शैक्षणिक भ्रमण, बौद्धिक और सांस्कृतिक गतिविधियों, क्रीडा, सेमिनार आदि का आयोजन

11.9 राष्ट्रीय शैक्षणिक संगठनों/प्रतिष्ठानों द्वारा मान्यता/सम्मान

11.10 विगत पॉच वर्षों में छात्रों को नैट/गेट/कैट/जी–मैट/एस0एस0सी0 एवं प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रवेश के लिए मार्गदर्शन

11.11 शोध सम्बन्धी उपलब्धियाँ– इम्पेक्ट फैक्टर जर्नल्स में प्रकाशित शोधपत्रों, पेटेंट तथा तकनीकि हस्तान्तरण में योगदान

आवेदन पत्र के साथ संलग्न प्रमाण पत्रों/साक्ष्यों की सूची/विवरणः

1.

2.

3.

4.

5.

दिनांकः

स्थानः

आवेदक के हस्ताक्षर

नाम –

पदनाम–

संस्थाध्यक्ष/संकायाध्यक्ष/कुलपति द्वारा अग्रसारण